Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 26

No. of Printed Pages – 7

SS–21–Hindi Sah.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2018

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2018

हिन्दी साहित्य

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द–सीमा में ही सुपाठ्य लिखें।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

खण्ड – 'अ'

1) द्विवेदी युग के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

2) नाटककार के रुप में जयशंकर प्रसाद का मूल्यांकन कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

3) जीवनी एवं आत्मकथा विधा की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

4) छायावादोत्तर हिंदी काव्य परंपरा का विवेचन कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड – 'ब'

5) काव्य गुण कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिए। [1]

(उत्तर सीमा 10 शब्द)

6) क्लिष्टत्व दोष की परिभाषा लिखिए। [1]

(उत्तर सीमा 10 शब्द)

7) हरिगीतिका छंद की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

8) छप्पय एवं कुंडलिया छंद की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

9) मानवीकरण अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

10) विभावना एवं विशेषोक्ति अलंकार में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड – 'स'

11) निम्नांकित गद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 शब्दों में कीजिए। [3]

भाषा संस्कृति का कुछ बाहरी अंग सा है, फिर भी वह हमारी जातीय मनोवृत्ति की परिचायिका होती है। 'कुशल' शब्द को ही लीजिए; वह हमारी उस संस्कृति की ओर संकेत करता है जिसमें कि पूजा–विधान की संपन्नता के लिए कुश लाना एक दैनिक कार्य बना हुआ था। जो कुश ला सकता था वह तन्दुरुस्त और होशियार भी समझा जाता था। प्रवीण का संबंध वीणा से है– प्रकर्ष वीणायां प्रवीण:।

अथवा

वह बेचारा तो कई दिन तक विश्वास ही न कर सका। खुद गड्डे को टटोल–टटोल कर देखता और फिर द्वार पर बैठकर उसकी प्रतीक्षा करने लगता। जब परोपकारी पड़ोसियों ने उसके विश्वास की शिला को युक्तियों की एक–से–एक मर्मभेदी सुरंगों से उड़ा दिया, तब वह बीमार पड़ गया। पर निरंतर कर्मयोग से दीक्षित पुलिस को यह शुभ–समाचार देने की चर्चा चलते ही वह प्रशांत निराशा भरी दृढ़ता से कहने लगता – 'अपनी स्त्री की हुलिया लिखवाकर पकड़ मँगाना नीच का काम है।'

12) निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 शब्दों में कीजिए। [3]

अति सूधो सनेह को मारग है, जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।

तहाँ साँचे चलै तजि आपनपौ, झिझकैं कपटी जे निसाँक नहीं।

घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ, यहाँ एक ते दूसरो आँक नहीं।

तुम कौन धौ पाटी पढ़े हो कहो, मन लेहु पे देहु छटाँक नहीं।

अथवा

उदयाचल से किरन – धेनुएँ

हाँक ला रहा

वह प्रभात का ग्वाला

पूँछ उठाये चली आ रही

क्षितिज – जंगलो से टोली

दिखा रहे पथ इस भू मा का

सारस सुना सुना बोली

गिरता जाता फेन मुखों से

नभ में बादल बन तिरता

किरन–धेनुओं का समूह यह

आया अंधकार चरता

13) 'भारत भी महाशक्ति बन सकता है' पाठ के आलोक में भारत की उन्नति के बाधक तत्त्वों का विश्लेषण कीजिए।[4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

'पाजेब' कहानी बाल मनोविज्ञान पर आधारित कहानी है। कथन की विवेचना कीजिए।

14) सेनापति रीतिकाल में प्रकृति–चित्रण करने वाले श्रेष्ठ कवि हैं। सोदाहरण सिद्ध कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता में वर्णित प्रेरणा की वर्तमान संदर्भों में समीक्षा कीजिए।

15) लेखक के मन मे शिरीष को देखकर हूक उठती है। क्यों? स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

16) 'मिठाईवाला' कहानी के प्रमुख पात्र की चरित्रगत विशेषताएँ लिखिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

17) 'गुरु गोविंद तो एक है' पंक्ति में कबीर के मंतव्य को स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

18) 'कुरुक्षेत्र' कविता का मूल संदेश लिखिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

19) कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला अथवा लेखक प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर टिप्पणी लिखिए। [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

20) अर्थशास्त्र संस्कारों पर कैसे हावी हो रहा है? [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

21) निम्नांकित पंक्ति का भावार्थ लिखिए – [2]

'सूपनखा कै गति तुम्ह देखी। तदपि हृदय नहीं लाज बिसेषी।'

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

खण्ड – 'द'

22) वर्तमान संदर्भों में 'निर्वासित' कहानी की प्रासंगिकता समझाइये। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

सेल्यूलर जेल में क्रांतिकारियों पर किए गये अत्याचारों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

23) 'माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या:।' के भाव को स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

24) नारी सामर्थ्य के संदर्भ में सुभाष के क्या विचार थे? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

25) गुप्त साम्राज्य संकट में है और हमें घर–घर भीख माँगनी पड़ेगी। ऐसा किसने कहा और क्यों? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

26) साहित्य में प्रचलित विभिन्न 'वाद' के संदर्भ में रामकुमार वर्मा का क्या दृष्टिकोण था? स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

DO NOT WRITE ANYTHING HERE